Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

BA Part II (H)
Paper III

Lecture I

जाति व्यवस्था (Caste System) ⇒ भारतीय सामाजिक संरचना में जाति व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्थान है। जाति व्यवस्था भारतीय समाज का आधार है। जाति व्यवस्था भारतीय सामाजिक संरचना में सामाजिक स्तरीकरण की एक व्यवस्था है। भारत में आरंभ वर्षों से सामाजिक स्तरीकरण के निर्धारण में जाति व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। सामाजिक सम्बन्धों एवं सामाजिक व्यवस्था के संचालन में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। जाति व्यवस्था ने भारतीय समाज को सामाजिक विभाजन के रूप में बदला है। जाति व्यवस्था को समझने से पूर्व जाति को समझना आवश्यक है। शाब्दिक रूप से जाति शब्द की उत्पत्ति संस्कृत शब्द जात: से हुई जिसका अर्थ है जन्म। अर्थात् जन्म के आधार

2020-7-9 17:25

पर ही किसी व्यक्ति का किसी समूह में सामाजिक स्थिति का निर्धारण हो जाता है। अतः शिशु का जन्म जिस समूह या जाति में होता है वह उसकी जाति हो जाती है जो आजीवन बनी रहती है जिसको परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

भारतीय जाति व्यवस्था बन्द स्तरीकरण के रूप में सबसे स्पष्ट उदाहरण है। जाति व्यवस्था की उत्पत्ति वर्ण व्यवस्था की समाप्ति की स्थिति में देखने को मिलता है। जाति व्यवस्था पूर्णरूपेण जन्म पर आधारित है। इस व्यवस्था में जाति साथ ही साथ उसके कार्यों का निर्धारण जन्म के समय ही हो जाता है। अतः कहा जा सकता है कि जाति व्यवस्था एक कठोर व्यवस्था है जो भारतीय समाज को जाति के आधार पर विभाजित करती है।

2020-7-9 17:25